विश्व मृदा दिवस पर किसानों को किया जागरूक, मिट्टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

कानपुर, 5 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज विश्व मृदा दिवस मनाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है।उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें 1 इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2022 की थीम मृदा जहां भोजन शुरू होता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोके, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए। उन्होंने स्वस्थ धरा तो खेत हरा। डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने किसान भाइयों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है।मिट्टी परीक्षण द्वारा छरीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उद्यान वैज्ञानिक डा. अरुण कुमार सिंह, पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशीकांत, गौरव शुक्ला, शुभम यादव ,भगवान एवं छत्रा सोनाली सिंह. प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश सहित किसान चुन्ना सिंह, चरण सिंह, राजू सिंह एवं महिला किसान माया देवी सहित लगभग एक सैकड़ा से अधिक किसान भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डा. निमिषा अवस्थी ने किया।

प्रमाण पत्र दिखाते किसान।

मिट्टी को स्वस्थ रखने को केंचुए की खाद, नाडेप कंपोस्ट एवं हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें किसान

विश्व मृदा दिवसः किसानों को किया जागरूक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज दिनांक 5 दिसंबर 2022 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डा. खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों के साथ-साथ आम जनमानस को मिट्टी की महत्ता के बारे में जागरूक करना है।उन्होंने बताया कि मृदा निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें 1 इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 वर्ष लग जाते हैं इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखें। उन्होंने बताया कि विश्व मृदा दिवस 2022 की थीम मृदा जहां भोजन शुरू होता है उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान है मिट्टी की लवणता को रोके, मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के लिए दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति समाप्त होती जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मृदा संरक्षण पर विशेष बल दिया जाए उन्होंने इस अवसर पर किसानों को एक नारा भी दिया कि स्वस्थ धरा, तो खेत हरा। डॉ खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने खेतों का मृदा परीक्षण अवश्य कराएं। जिससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की सही जानकारी मिल जाती है। उन्होंने किसान भाइयों को सलाह दी कि मिट्टी परीक्षण द्वारा फसल के लिए उर्वरकों की उचित मात्रा की सिफारिश की जाती है। खादों के प्रयोग का समय तथा तरीके के बारे में पूर्ण जानकारी मिलती है। मिट्टी परीक्षण द्वारा छारीय और लवणीय भूमियों की समस्या और उनके सुधारने के बारे में भी जानकारी प्राप्त हो जाती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए केंचुए की खाद एवं नाडेप कंपोस्ट तथा हरी खाद का प्रयोग अवश्य करें जिससे मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने पोषण वाटिका से संबंधित किसानों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के गृह वैज्ञानिक डा. निमिषा अवस्थी ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशीकांत ने किया। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डा. विनोद प्रकाश सहित किसान चुन्ना सिंह, चरण सिंह, राजू सिंह एवं महिला किसान माया देवी सहित लगभग एक सैकड़ा से अधिक किसान भाई उपस्थित रहे।

किसानों को किया जागरूक,मिट्‌टी की उर्वरता पर हुई चर्चा

दैनिक जागरण कानपुर 06/12/2022

एक नजर में

'मिट्टी में होंगे पोषक तत्व तो स्वस्थ रहेंगे हम'

कानपुर : मिट्टी को स्वस्थ बनाएं और रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करके पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाएं, इससे हम भी स्वस्थ होंगे। विश्व मृदा दिवस पर सीएसए में आयोजित कार्यक्रम में डा. खलील खान ने किसानों को यह जानकारी दी। जासं

अमर उजाला कानपुर 06/12/2022

हर साल जांचा जाए मिट्टी का स्वास्थ्य

सीएसए में विश्व मृदा दिवस पर हुए कार्यक्रम में दी गई सलाह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में सोमवार को विश्व मृदा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। दलीप नगर स्थित केवीके में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि एक इंच मिट्टी की परत के निर्माण में 500 से 2000 साल लग जाते हैं। इसलिए मिट्टी की हर साल जांच कराना जरूरी है। इस मौके पर डॉ. निमिषा अवस्थी, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. विनोद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

वहीं, विवि में चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक में हुई। यहां डॉ. महक सिंह ने किसानों को बीज की उपलब्धता व तिलहनी फसलों के बारे में जानकारी दी। डॉ. संजीव सचान ने सब्जियों के उत्पादन के बारे में बताया। इस मौके पर डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. अनिल सिंह, सोहनलाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

विवि के मृदा विज्ञान विभाग में हुए कार्यक्रम में डॉ. अनिल सचान ने बताया कि मिट्टी में जीवांश कार्बन 0.2 से 0.4 फीसदी के बीच रहना चाहिए। इस मौके पर डॉ. रविंद्र यादव, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. आरके पाठक आदि मौजूद रहे। (ब्यूरो)